Kiara
Let's Make Life Happy

Kiara Astrology Research Centre ®

(Prime Report)

ॐ गंग गणपतये नमः
Call: 08674827268

Kiara ID: 50011259 **Date:** 12/04/2020 **Validity : 3 Months Only**

नाम: Anil Rawat	**जन्म तिथि:** 17/08/1972	**जन्म समय:** 03:20 PM
जन्म स्थान: Old Delhi	**मांगलिक योग:** NO	**इष्ट देव:** Hanuman Ji

1. योग कारक (अच्छा) / मारक (शत्रु) ग्रह: (ग्रहों की स्थित के अनुसार) :

इन सभी ग्रहों के रत्न धारण करना, पूजा पाठ करना उत्तम होगा, लेकिन इन ग्रहों से सम्बंधित वस्तुयें का दान नहीं किया जाता है।

S.No	योग कारक (अच्छा) ग्रह	शुभ फल देने की क्षमता	मारक (शत्रु) ग्रह	अशुभ फल देने की क्षमता
1.	Guru (व)	50%	Shukra	100%
2.	Surya	20%	Budh (व)	100%
3.	Mangal (उच्च)	Nill	Chandra (नीच)	50%
4.	Rahu (व)	25%	Shani	25%
5.			Ketu (व)	25%
6.				

इन सभी ग्रहों को पूजा पाठ एवं दान करके शांत करना है। इनके रत्न वर्जित हैं।

2. राजयोग (अच्छा योग): ① हंस नामक पंचमहापुरुष योग (Active = 40%) पुखराज तथा मूंगा → अवश्य धारण करें। माणिक भी धारण कर सकते हैं।

3. कुण्डली दोष: चन्द्र ग्रहण योग। (चन्द्र के उपाय व दान करना है।)

4. शुभ दिन: Sunday, Thursday, Tuesday.

5. शुभ रंग: पीला, लाल, भगवा। अशुभः (हरा, काला, नीला)

6. रत्न (Gemstones) धारण कर सकते हैं (Life Time):

Gemstones (रत्न)	Ratti	Hand	Finger	Details
1. मूंगा (100% required)	9+	Right	Ring	सोने, पीतल में मंगलवार को 8:15 AM पर धारण करें। (शुक्ल पक्ष)
2. पुखराज	6+	Right	Index	सोने, पीतल में बृहस्पतिवार को 8:15 am पर धारण करें। (शुक्ल पक्ष)
3. माणिक (Ruby)	6+	Left	Ring	सोने, पीतल में रविवार को 8:15 AM पर धारण करें।

7. वर्जित रत्न (भूल कर भी धारण ना करें):

ओपल, हीरा, जरकन, फिरोजा, पन्ना, मोती, नीलम, लहसुनिया आदि रत्न वर्जित हैं।

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk, Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

नोट : रत्न पहनने का अर्थ यह है की जिस ग्रह का रत्न धारण किया जाता है उस ग्रह की किरणों का शरीर में बढ़ाना। रत्न हमेशा योग कारक और सम ग्रह का पहना जाता है जब वो अच्छे फल देने में सक्षम न हो।

a) चंद्रदेव (मोती), मंगलदेव (मूंगा) और बृहस्पति देव (पीला पुखराज) का रत्न सदा शुक्ल पक्ष में धारण करना चाहिए। तभी यह लाभ प्रद होता है। (समय 8:15 AM)

b) सूर्य देव (माणिक), बुध देव (पन्ना), शुक्र देव (आपल, हीरा, सफ़ेद पुखराज), शनि देव (नीलम) का रत्न किसी भी पक्ष में धारण कर सकते हैं। (समय 8:15 AM)

c) सही गड़ना के मुताबिक **पांच कैरट या एक ग्राम से कम** वजन का रत्न नहीं धारण करना चाहिए।

d) **पुरुषों** को सदैव दाएं हाथ में रत्न पहना है। **स्त्रियों** को सदैव बाएं हाथ में रत्न पहनना चाहिए। अगर किसी जातक को नाग धारण हो जैसे (माणिक, मूंगा), (नीलम, हीरा) तोह लग्न का रत्न उस जातक को पहले सही हाथ में धारण करवाया जाता है। दूसरा रत्न दूसरे हाथ में पहनाया जाता है।

e) मूंगा (मंगल देव) और पन्ना (बुध देव) एक साथ धारण नहीं किया जाता है।

f) पन्ना (बुध देव) और मोती (चंद्र देव) एक साथ धारण नहीं किया जाता है।

g) पन्ना को सदैव चाँदी में ही पहना जाता है, सोने में धारण करने से बुध देव अपने फल नहीं देते हैं।

h) नीलम (शनि देव) और मोती (चंद्र देव) एक साथ धारण नहीं किया जाता है।

i) नीलम (शनि देव) को कभी भी चाँदी में नहीं पहना जाता है, अन्यथा शनि साढ़े साती एक साथ चलने लगती है। नीलम को सोने में या पंचधातु में ही धारण करना चाहिए।

j) नीलम (शनि देव) और माणिक (सूर्य देव) कभी भी एक साथ धारण नहीं किया जाता है अन्यथा सत्यनाश कर देंगे रत्न।

k) माणिक (सूर्य देव) और हीरा (शुक्र देव) कभी भी एक साथ धारण नहीं किया जाता है।

l) हीरा (शुक्र देव) और पुखराज (बृहस्पति देव) कभी भी एक साथ धारण नहीं किया जाता है।

m) गोमेद (राहु) और मूँगा (मंगल) एक साथ धारण नहीं किया जाता है।

n) पुखराज (बृहस्पति देव) और नीलम (शनि देव) एक साथ धारण नहीं किया जाता है।

o) राहु देवता का रत्न गोमेद कभी भी धारण नहीं करना चाहिए।

p) चंद्र का रत्न (मोती) और राहु का रत्न (गोमेद) कभी भी एक साथ धारण नहीं किया जाता है। राहु चंद्र ग्रहण लगा देते हैं।

q) मंगल के रत्न मूंगा के साथ पन्ना / नीलम / हीरा / ओपल नहीं पहना जाता है।

r) बृहस्पति के रत्न "पुखराज" के साथ नीलम / हीरा / ओपल नहीं पहना जाता है।

s) चन्द्रमा के रत्न मोती के साथ नीलम / पन्ना / हीरा / ओपल नहीं पहना जाता है।

8. रोग भाव का स्वामी: (मित्र/[✓ शत्रु]) : शुक्र देव : शुक्र देव के दान व पाठ पूजन करने से सदैव रोगों में कमी आएगी तथा निरोगी रखने में मदद मिलेगी।

11. महादशा/अन्तर्दशा/प्रत्यंतर दशा परिणाम :

शुक्र की महादशा : 10/03/2013 to 10/03/2033 – प्रबल दशा (100%)

लम्बी चलने वाली बीमारी हो सकती है। Blood pressure की समस्या तथा शौच स्थान से सम्बन्धित समस्या जैसे Piles की समस्या हो सकती है। पत्नी के साथ मनमुटाव की स्थिति बनी रहेगी। धन लाभ में भी कमी रहेगी, मनोकामनाएं पूर्ण नहीं होंगी! पत्नी की health में भी गिरावट देखने को मिलेगी,

— कर्जा, शत्रु आदि बढ़ेंगे।

— Partnership के कामकाज में समस्या रहेगी।

— शुक्र का दान व पाठ पूजन हर शुक्रवार को अवश्य करें!

शुक्र/मंगल : 11/03/2019 to 10/05/2020 : प्रबल (50%).

मंगल का मूँगा धारण करने से समस्याएं कम होंगी!
सुख-सुविधा में वृद्धि होगी!

शुक्र तथा चन्द्र के दान व उपाय अवश्य करें!
(मानसिक तनाव, obstacles, खर्चा बढ़ेगा, Negativity बढ़ेगी!)

शुक्र/राहु/ ~~राहु~~ : 10/05/20 to 11/05/2023 – प्रबल (40%).

राहु के धारण समय सही रहेगा, धन आता रहेगा! कामकाज में चल रही परेशानी समाप्त होगी।

↳

Scanned with CamScanner

11. महादशा/अन्तर्दशा/प्रत्यंतर दशा परिणाम :

शुक्र | राहु | राहु : 10/05/20 to 21/10/20 → सामान्य समय + Problems (30%)
(शुक्र का दान करते रहें!)

शुक्र | राहु | गुरु : 22/10/20 to 16/03/21 : अच्छा समय (40%)
(परेशानी समाप्त होंगी, अचानक धन लाभ हो सकता है)
(पुखराज धारण करके रखें!)
↳ शुक्र का दान करना है।

17/03/21 to 06/09/21 :— खराब समय (80%)
(शुक्र तथा शनि के दान करें!) — Problems बढ़ेंगे।

07/09/21 to 08/02/22 → खराब समय (100%)
हर कामकाज में परेशानी, obstacles, मृत्युतुल्य कष्ट होंगे। धन की हानि के योग हैं। पैसा टिकेगा नहीं। गलत वाणी हो जाएगी। + Health Problems.
↳ (शुक्र तथा बुध के दान करें!)

09/02/22 to 13/04/22 : खराब समय (80%).
(शुक्र तथा केतु के दान करें!) Health बिगड़ेगी, & धन हानि, मृत्युतुल्य कष्ट आदि!
↳ (शुक्र तथा केतु के उपाय व दान करें!)

केतु तथा बुध, के कारण → skin related समस्या तथा Cancer जैसे Symptoms देखने को मिल सकते हैं।
के दान करें।

12. कुंडली में स्थित मारक (शत्रु) ग्रह के उपाय & दान :

ग्रह	उपाय & दान
सूर्य देव के उपाय: **(रविवार को करना है)**	सूर्य देव को जल देना, तांबे का सिक्का जल प्रवाह करना, शक्कर चींटियों को डालना, ब्रह्म देव की उपासना करना, माणिक जल प्रवाह करना। **नोट:- पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** **सूर्य देव के मंत्र का जाप करें। (ॐ सूर्याय नमः)**
चंद्र देव के उपाय: **(सोमवार को करना है)**	दूध दान करना, चावल दान करना, मिश्री दान करना, चीनी दान करना या चींटियों को डालना, श्वेत वस्तु (वस्त्र, फूल) दान करना, मोती दान या जल प्रवाह करना। **नोट:- माता या माता तुल्य स्त्रियों से मधुर संबंध रखना, उनसे आशीर्वाद लेना, उनकी सेवा करने से चंद्र देव प्रसन्न होते हैं।** सोमवार को दूध या जल शिवलिंग पर चढ़ायें और शिव जी पूजा करें। चंद्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ सों सोमाय नमः)**
मंगल देव के उपाय: **(मंगलवार को करना है)**	हनुमान जी को सिन्दूर चढ़ाना , हनुमान जी को चोला चढ़ाना, लाल चीज का दान, टमाटर का दान, गाजर का दान, अनार का दान, शक्कर चींटियों को डालना, लाल सूखी मिर्च जल प्रवाह करना, मूँगा जल प्रवाह करना, हनुमान जी को पान के पत्ते चढना। **नोट:- छोटे भाई या छोटे भाई तुल्य व्यक्ति से मधुर संबंध रखना, ख्याल रखने से मंगल देव प्रसन्न होते हैं।** मंगल देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ भुं भौमाय नमः अथवा ॐ अं अंगारकाय नमः)** **(संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो।** **कौन सो संकट मोर गरीब को ,जो तुमसे नहिं जात है तारो॥)**
बुद्ध देव के उपाय: **(बुधवार को करना है)**	हरा चारा गाय को डालना, खीरा दान करना, पुदीना दान करना, पन्ना जल प्रवाह करना, बाज़रा पंछियों को डालना, साबुत मूंगी का दान करना, हरी वस्तु (वस्त्र, चूड़ियाँ इत्यादि), तुलसी का दान और सेवा, किन्नरों को कुछ भी खाने को देना। **नोट:- छोटी कन्या, मौसी, बुआ, बहन, भाभी, ताई, चाची, मामी से मधुर संबंध रखने से बुध देव प्रसन्न होते हैं।** बुद्ध देव के मंत्र का जाप करें **(ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः ॥ (or) ॐ गंग गणपतये नमः)**
बृहस्पति देव के उपाय: **(बृहस्पतिवार को करना है)**	शक्कर का दान या चींटियों को डालना, बेसन के लड्डू का दान करना, केले, हल्दी का दान करना, केले क पेड़ को जल देना और सेवा करना, चने की दाल का दान करना, गेंदे का फूल मन्दिर में चढ़ाना, धार्मिक और ज्ञानवर्धक पुस्तके बांटना, सुनेला जल प्रवाह करना, पापीती का दान करना। **नोट:- बुजुर्गो की सेवा करना, गुरूजनो का सम्मान करना, पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** बृहस्पतिवार को हल्दी की पीली गाँठे जल प्रवाह करें और बृहस्पति देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ बृं बृहस्पतये नमः)**
शुक्र देव के उपाय:	चीनी दान करना, चावल दान करना, आटा दान करना, सफ़ेद मिठाई (रसगुल्ला, छेना मुर्की, बर्फी) दान करना, इत्र दान करना, जरकन (ओपल) दान करना, सौंदर्य प्रधान वस्तुओं का दान करना, मिश्री दान करना। **नोट:- पत्नी, प्रेमिका के साथ मधुर संबंध रखना, स्त्रियों का आदर करना।**

Scanned with CamScanner

(शुक्रवार को करना है)	हर शुक्रवार को कच्चे दूध (1/2 cup) से स्नान करें और शुक्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः ॥ (or) ॐ शुं शुक्राय नमः)**
शनि देव के उपाय: **(शनिवार को करना है)**	काले तिल दान करना/ चीटियों को डालना, सरसों के तेल का दाल करना, काली जुरावें दान करना, पीपल के वृक्ष को जल देना, पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों का दीपक जलाना, काला वस्त्र का दान करना, लोहे की वस्तुओं का दान करना (चिंता, तवा), नीली जल प्रवाह करना, शनि चालीसा का दान करना, कोयला दान करना/ जल प्रवाह करना, जूता, चप्पल दान करना। **नोट:- निम्न स्तर का कर्मचारी (मजदूर, नौकर, कामवाली, भिखारी) के साथ सही व्यवहार रखने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं।** शनिवार को शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes शनि देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ शं शनैश्चराय नमः)**
राहु देव के उपाय: **(शनिवार को करना है)**	चाय की पत्ती, अगरबत्ती दान करना, सिक्का दान करना, बिजली की तार जल प्रवाह करना, गोमेद जल प्रवाह करना, सतनाजा चीटियों को डालना, काला सफ़ेद कम्बल दान करना, विकलांगो की सहायता करना, कुस्थश्रम में दान करना, नेत्रहीनों की सेवा करना। शनिवार को चाय की पत्ती (100gm), १ अगरबत्ती का पैकेट शनि देव के मंदिर के बाहर गरीबों को दान करें और देते समय राहु मंत्र "ॐ रां राहवे नमः" का जप करें। **नोट:- किसी भी प्रकार से शारीरिक असमर्थ लोगों का ख्याल रखने से राहु देव प्रसन्न होते हैं।** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes राहु देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ रां राहवे नमः)**
केतु देव के उपाय: **(मंगल, बुधवार को करना है)**	काला सफ़ेद कपड़ा दान करना, निम्बू दान करना, अमचूर दान करना, आंवले का अचार दान करना, चाकू दान करना, कुत्ते की सेवा करना, कुत्ते को कपड़ा पहनना। **नोट:- नानका परिवार से मधुर संबंध रखने से केतुदेव प्रसन्न होते हैं.** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes केतु देव के मंत्र का जाप करें। (ॐ कें केतवे नमः)

नोट: यदि आपकी कुंडली शनि, राहु के दान के लिए अनुमति प्रदान करती है तो **अमावश्या** के दिन किसी भी समय (दिन/रात) चाय की पत्ती, अगरबत्ती का दान (राहु के लिए) तथा सरसों का तेल (शनि देव के लिए) का दान अवश्य करें।

नोट: यदि परिवार में कलह - कलेश हो रहा हो और स्थित बिगड़ने वाली हो तो उस वक्त कोई भी परिवार का सदस्य मन ही मन २० मिनट तक नीचे दिए गये मंत्र का जाप अवश्य करें। संकटमोचन हनुमान जी आपकी अवश्य मदद करेंगे और स्थित सामान्य होने लगेगी। (हनुमान जी का पाठ पूजन महिलाएं भी कर सकती हैं। क्यूंकि हनुमान जी ने अपनी छाती चीर कर दिखा दी थी कि उनके हृदय में प्रभु राम और सीता माता दोनों एक साथ रहते हैं6 ।)

मंत्र : संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो। **कौन सो संकट मोर गरीब को, जो तुमसे नहिं जात है टारो ॥**

मूँगा, पुखराज, माणिक्य जीवन भर धारण करके रखें!
(समस्याएं कम होंगी).

Scanned with CamScanner

ॐ गं गणपतये नम

शुभ 卐 लाभ

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 50011259

Date: 13/04/2020

Anil Rawat

17 Aug 1972 03:20 PM

Delhi

Anil Rawat

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 50011259

Date: 13/04/2020

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	**: 17/08/1972**
दिन	: गुरुवार
जन्म समय	**: 15:20:00 घंटे**
इष्ट	: 23:41:38 घटी
स्थान	**: Delhi**
देश	: India

अक्षांश	: 28:39:00 उत्तर
रेखांश	: 77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 14:58:52 घंटे
वेलान्तर	: -00:04:02 घंटे
साम्पातिक काल	: 12:42:21 घंटे
सूर्योदय	: 05:51:20 घंटे
सूर्यास्त	: 18:58:30 घंटे
दिनमान	: 13:07:10 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: वर्षा
सूर्य के अंश	: 01:05:51 सिंह
लग्न के अंश	: 03:40:52 धनु

चैत्रादि संवत / शक	: 2029 / 1894
मास	: श्रावण
पक्ष	: शुक्ल
सूर्योदय कालीन तिथि	: 8
तिथि समाप्ति काल	: 19:50:36
जन्म तिथि	: 8
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	: विशाखा
नक्षत्र समाप्ति काल	: 11:52:31 घंटे
जन्म नक्षत्र	: अनुराधा
सूर्योदय कालीन योग	: ब्रह्म
योग समाप्ति काल	: 10:04:56 घंटे
जन्म योग	: ऐन्द्र
सूर्योदय कालीन करण	: विष्टि
करण समाप्ति काल	: 06:39:09 घंटे
जन्म करण	: बव
भयात	: 08:38:43
भभोग	: 67:10:05
भोग्य दशा काल	: शनि 16 वर्ष 6 मा 22 दि

अवकहडा चक्र	
लग्न–लग्नाधिपति	: धनु – गुरु
राशि–स्वामी	**: वृश्चिक – मंगल**
नक्षत्र–चरण	**: अनुराधा – 1**
नक्षत्र स्वामी	: शनि
योग	: ऐन्द्र
करण	: बव
गण	: देव
योनि	: मृग
नाड़ी	: मध्य
वर्ण	: विप्र
वश्य	: कीटक
वर्ग	: सर्प
युँजा	: मध्य
हंसक	: जल
जन्म नामाक्षर	: ना–नवीन
पाया(राशि–नक्षत्र)	: लौह – ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: सिंह

घात चक्र	
मास	: आश्विन
तिथि	: 1-6-11
दिन	: शुक्रवार
नक्षत्र	: रेवती
योग	: व्यतिपात
करण	: गर
प्रहर	: 1
वर्ग	: गरूड़
लग्न	: वृश्चिक
सूर्य	: मकर
चन्द्र	: वृष
मंगल	: कुम्भ
बुध	: वृश्चिक
गुरु	: मीन
शुक्र	: मेष
शनि	: कर्क
राहु	: वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	03:40:52	327:15:43	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	–––
सूर्य			सिंह	01:05:51	00:57:42	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			वृश्चि	05:02:41	11:52:51	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	नीच राशि
मंगल		अ	सिंह	08:01:30	00:38:06	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मित्र राशि
बुध	व		कर्क	16:59:49	00:03:53	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
गुरु	व		धनु	05:06:24	00:01:29	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	स्वराशि
शुक्र			मिथु	15:42:36	00:52:32	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	मित्र राशि
शनि			वृष	25:14:50	00:04:37	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	मित्र राशि
राहु			मक	02:11:06	00:00:22	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
केतु			कर्क	02:11:06	00:00:22	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	मित्र राशि
हर्ष			कन्या	22:03:49	00:02:42	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	–––
नेप			वृश्चि	09:00:35	00:00:06	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	–––
प्लूटो			कन्या	07:02:27	00:01:55	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	केतु	–––
दशम भाव			कन्या	18:02:26	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	बुध	--

व – वक्री स – स्थिर

अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त

राहु स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:28:45

लग्न–चलित

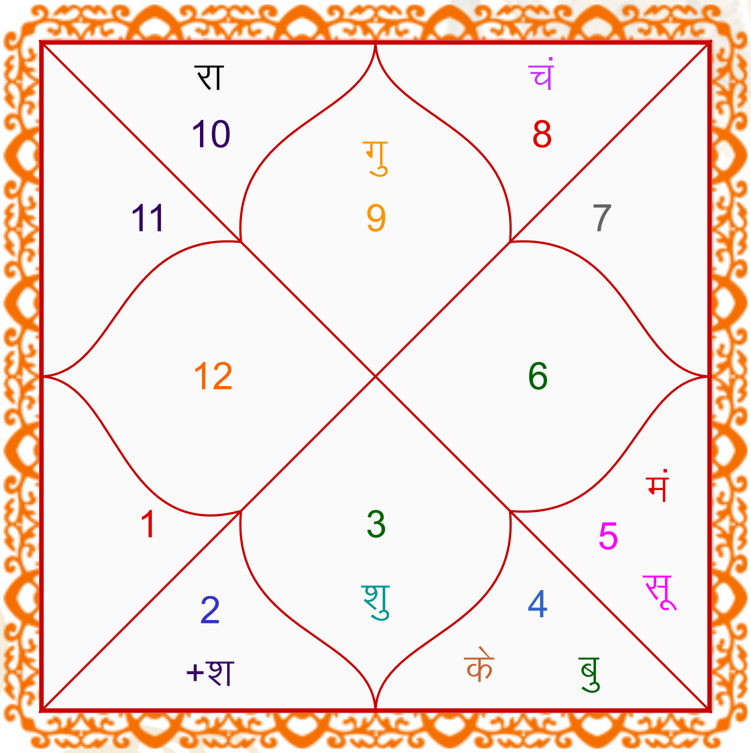

चन्द्र कुंडली

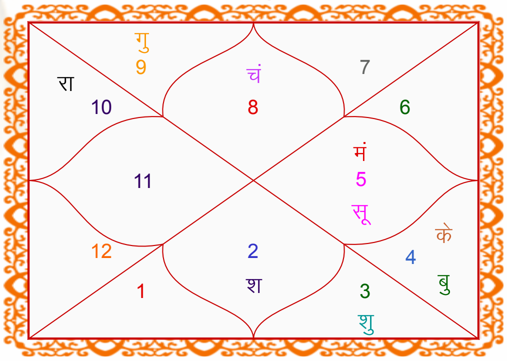

नवमांश कुंडली

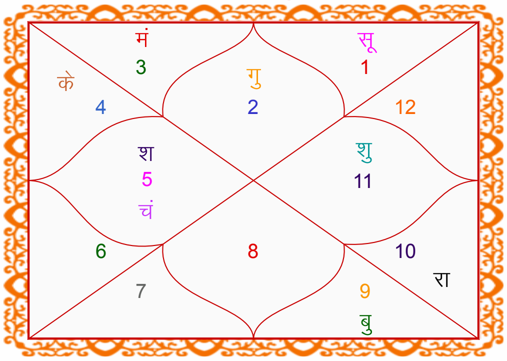

षट्बल तथा भावबल सारिणी

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	23	1	3	41	10	34	12
सप्तवर्गज बल	180	101	83	77	96	107	86
ओजयुग्मक बल	30	15	30	15	15	0	15
केन्द्र बल	15	15	15	30	60	60	15
द्रेष्काण बल	15	0	15	15	15	0	0
कुल स्थान बल	263	132	146	178	196	201	128
कुल दिग्बल	44	16	47	14	60	31	57
नतोन्नत बल	45	15	15	60	45	45	15
पक्ष बल	29	63	29	31	31	31	29
त्रिभाग बल	0	0	0	0	60	0	60
अब्द बल	0	0	0	15	0	0	0
मास बल	0	0	0	0	30	0	0
वार बल	0	0	0	0	45	0	0
होरा बल	60	0	0	0	0	0	0
अयन बल	95	56	44	53	0	60	1
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल कालबल	229	133	88	159	212	136	104
कुल चेष्टाबल	0	0	2	36	43	39	24
कुल नैसर्गिक बल	60	51	17	26	34	43	9
कुल दृग्बल	-2	-14	3	13	-19	24	20
कुल षट्बल	594	317	302	426	525	473	341
रूप षट्बल	9.9	5.3	5.0	7.1	8.8	7.9	5.7
न्यूनतम आवश्यकता	5	6	5	7	7	6	5
अनुपात	2.0	0.9	1.0	1.0	1.3	1.4	1.1
संबंधित पद	1	7	6	5	3	2	4

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	30.99	4.62	2.72	38.17	20.81	36.24	16.62
कष्ट फल	25.96	41.25	57.22	21.62	28.77	23.53	41.96

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	525	341	341	525	302	473	426	317	594	426	473	302
भावदिग्बल	60	20	40	60	10	20	0	20	50	30	40	10
भावदृष्टि बल	-10	48	55	41	60	19	68	49	43	24	34	4
कुल भाव बल	575	409	436	626	372	512	494	386	687	480	547	316
रूप भाव बल	9.6	6.8	7.3	10.4	6.2	8.5	8.2	6.4	11.4	8.0	9.1	5.3
संबंधित पद	3	9	8	2	11	5	6	10	1	7	4	12

भाव बल ग्राफ

भावाधिपति बल

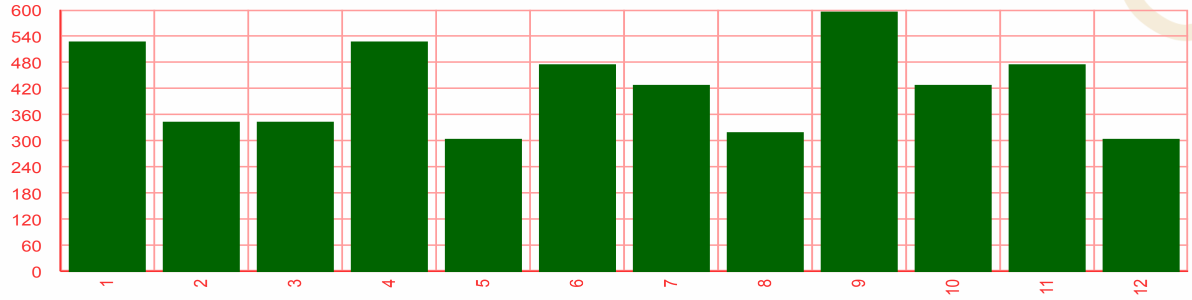

भावदिग्बल

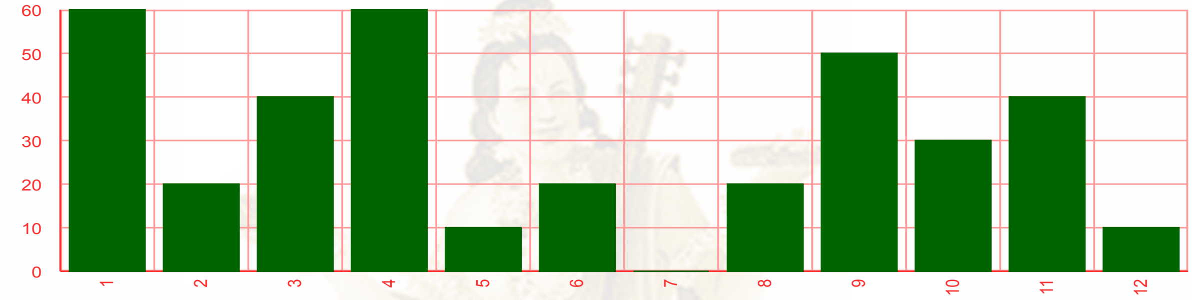

भावदृष्टि बल

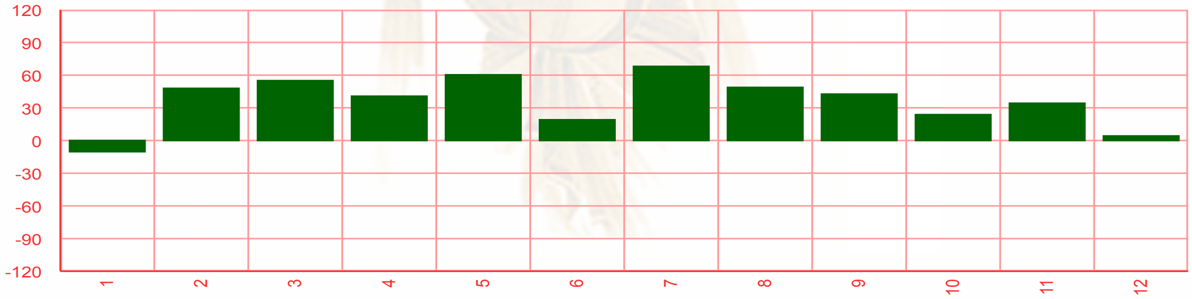

भाव बल

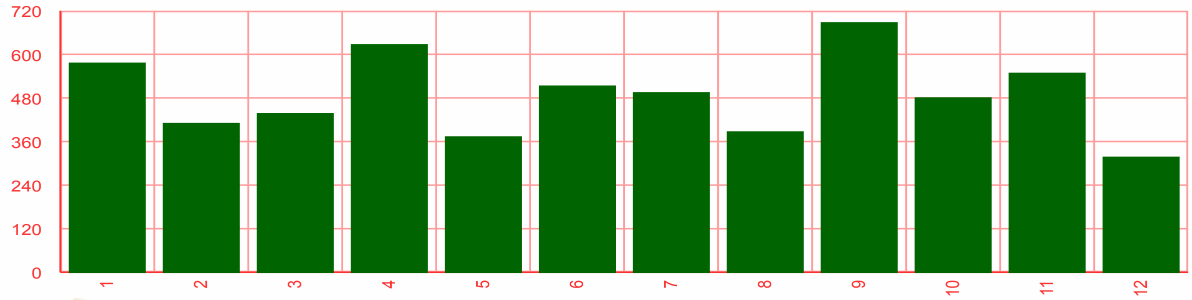

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 16 वर्ष 6 मास 22 दिन

शनि 19 वर्ष	
17/08/1972	
10/03/1989	
शनि	13/03/1973
बुध	21/11/1975
केतु	30/12/1976
शुक्र	01/03/1980
सूर्य	11/02/1981
चंद्र	12/09/1982
मंगल	22/10/1983
राहु	28/08/1986
गुरु	10/03/1989

बुध 17 वर्ष	
10/03/1989	
10/03/2006	
बुध	07/08/1991
केतु	03/08/1992
शुक्र	04/06/1995
सूर्य	09/04/1996
चंद्र	09/09/1997
मंगल	06/09/1998
राहु	25/03/2001
गुरु	01/07/2003
शनि	10/03/2006

केतु 7 वर्ष	
10/03/2006	
10/03/2013	
केतु	07/08/2006
शुक्र	07/10/2007
सूर्य	12/02/2008
चंद्र	12/09/2008
मंगल	08/02/2009
राहु	26/02/2010
गुरु	02/02/2011
शनि	13/03/2012
बुध	10/03/2013

शुक्र 20 वर्ष	
10/03/2013	
10/03/2033	
शुक्र	10/07/2016
सूर्य	10/07/2017
चंद्र	11/03/2019
मंगल	10/05/2020
राहु	11/05/2023
गुरु	09/01/2026
शनि	10/03/2029
बुध	09/01/2032
केतु	10/03/2033

सूर्य 6 वर्ष	
10/03/2033	
11/03/2039	
सूर्य	28/06/2033
चंद्र	27/12/2033
मंगल	04/05/2034
राहु	29/03/2035
गुरु	15/01/2036
शनि	27/12/2036
बुध	03/11/2037
केतु	10/03/2038
शुक्र	11/03/2039

चंद्र 10 वर्ष	
11/03/2039	
10/03/2049	
चंद्र	09/01/2040
मंगल	09/08/2040
राहु	08/02/2042
गुरु	10/06/2043
शनि	08/01/2045
बुध	10/06/2046
केतु	09/01/2047
शुक्र	09/09/2048
सूर्य	10/03/2049

मंगल 7 वर्ष	
10/03/2049	
10/03/2056	
मंगल	06/08/2049
राहु	25/08/2050
गुरु	01/08/2051
शनि	09/09/2052
बुध	06/09/2053
केतु	02/02/2054
शुक्र	04/04/2055
सूर्य	10/08/2055
चंद्र	10/03/2056

राहु 18 वर्ष	
10/03/2056	
10/03/2074	
राहु	21/11/2058
गुरु	16/04/2061
शनि	21/02/2064
बुध	09/09/2066
केतु	28/09/2067
शुक्र	27/09/2070
सूर्य	22/08/2071
चंद्र	20/02/2073
मंगल	10/03/2074

गुरु 16 वर्ष	
10/03/2074	
10/03/2090	
गुरु	28/04/2076
शनि	09/11/2078
बुध	14/02/2081
केतु	21/01/2082
शुक्र	21/09/2084
सूर्य	10/07/2085
चंद्र	09/11/2086
मंगल	16/10/2087
राहु	10/03/2090

शनि 19 वर्ष	
10/03/2090	
00/00/0000	
शनि	17/08/2092
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 16 वर्ष 6 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शुक्र - मंगल	
11/03/2019	
10/05/2020	
मंगल	05/04/2019
राहु	07/06/2019
गुरु	03/08/2019
शनि	10/10/2019
बुध	09/12/2019
केतु	03/01/2020
शुक्र	14/03/2020
सूर्य	04/04/2020
चंद्र	10/05/2020

शुक्र - राहु	
10/05/2020	
11/05/2023	
राहु	21/10/2020
गुरु	16/03/2021
शनि	06/09/2021
बुध	08/02/2022
केतु	13/04/2022
शुक्र	13/10/2022
सूर्य	06/12/2022
चंद्र	08/03/2023
मंगल	11/05/2023

शुक्र - गुरु	
11/05/2023	
09/01/2026	
गुरु	17/09/2023
शनि	19/02/2024
बुध	06/07/2024
केतु	31/08/2024
शुक्र	10/02/2025
सूर्य	30/03/2025
चंद्र	20/06/2025
मंगल	15/08/2025
राहु	09/01/2026

शुक्र - शनि	
09/01/2026	
10/03/2029	
शनि	11/07/2026
बुध	22/12/2026
केतु	27/02/2027
शुक्र	08/09/2027
सूर्य	05/11/2027
चंद्र	09/02/2028
मंगल	16/04/2028
राहु	07/10/2028
गुरु	10/03/2029

शुक्र - बुध	
10/03/2029	
09/01/2032	
बुध	04/08/2029
केतु	03/10/2029
शुक्र	25/03/2030
सूर्य	15/05/2030
चंद्र	10/08/2030
मंगल	09/10/2030
राहु	13/03/2031
गुरु	29/07/2031
शनि	09/01/2032

शुक्र - केतु	
09/01/2032	
10/03/2033	
केतु	03/02/2032
शुक्र	14/04/2032
सूर्य	05/05/2032
चंद्र	10/06/2032
मंगल	05/07/2032
राहु	07/09/2032
गुरु	02/11/2032
शनि	09/01/2033
बुध	10/03/2033

सूर्य - सूर्य	
10/03/2033	
28/06/2033	
सूर्य	16/03/2033
चंद्र	25/03/2033
मंगल	31/03/2033
राहु	17/04/2033
गुरु	01/05/2033
शनि	19/05/2033
बुध	03/06/2033
केतु	09/06/2033
शुक्र	28/06/2033

सूर्य - चंद्र	
28/06/2033	
27/12/2033	
चंद्र	13/07/2033
मंगल	24/07/2033
राहु	20/08/2033
गुरु	13/09/2033
शनि	12/10/2033
बुध	07/11/2033
केतु	18/11/2033
शुक्र	18/12/2033
सूर्य	27/12/2033

सूर्य - मंगल	
27/12/2033	
04/05/2034	
मंगल	04/01/2034
राहु	23/01/2034
गुरु	09/02/2034
शनि	01/03/2034
बुध	19/03/2034
केतु	27/03/2034
शुक्र	17/04/2034
सूर्य	24/04/2034
चंद्र	04/05/2034

सूर्य - राहु	
04/05/2034	
29/03/2035	
राहु	23/06/2034
गुरु	05/08/2034
शनि	26/09/2034
बुध	12/11/2034
केतु	01/12/2034
शुक्र	25/01/2035
सूर्य	10/02/2035
चंद्र	10/03/2035
मंगल	29/03/2035

सूर्य - गुरु	
29/03/2035	
15/01/2036	
गुरु	07/05/2035
शनि	22/06/2035
बुध	03/08/2035
केतु	20/08/2035
शुक्र	07/10/2035
सूर्य	22/10/2035
चंद्र	15/11/2035
मंगल	02/12/2035
राहु	15/01/2036

सूर्य - शनि	
15/01/2036	
27/12/2036	
शनि	10/03/2036
बुध	28/04/2036
केतु	18/05/2036
शुक्र	15/07/2036
सूर्य	02/08/2036
चंद्र	31/08/2036
मंगल	20/09/2036
राहु	11/11/2036
गुरु	27/12/2036

सूर्य - बुध	
27/12/2036	
03/11/2037	
बुध	09/02/2037
केतु	27/02/2037
शुक्र	20/04/2037
सूर्य	05/05/2037
चंद्र	31/05/2037
मंगल	18/06/2037
राहु	04/08/2037
गुरु	14/09/2037
शनि	03/11/2037

सूर्य - केतु	
03/11/2037	
10/03/2038	
केतु	10/11/2037
शुक्र	01/12/2037
सूर्य	08/12/2037
चंद्र	18/12/2037
मंगल	26/12/2037
राहु	14/01/2038
गुरु	31/01/2038
शनि	20/02/2038
बुध	10/03/2038

सूर्य - शुक्र	
10/03/2038	
11/03/2039	
शुक्र	10/05/2038
सूर्य	29/05/2038
चंद्र	28/06/2038
मंगल	19/07/2038
राहु	12/09/2038
गुरु	31/10/2038
शनि	28/12/2038
बुध	17/02/2039
केतु	11/03/2039

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

चंद्र - चंद्र	
11/03/2039	
09/01/2040	
चंद्र	05/04/2039
मंगल	23/04/2039
राहु	07/06/2039
गुरु	18/07/2039
शनि	04/09/2039
बुध	17/10/2039
केतु	04/11/2039
शुक्र	25/12/2039
सूर्य	09/01/2040

चंद्र - मंगल	
09/01/2040	
09/08/2040	
मंगल	21/01/2040
राहु	22/02/2040
गुरु	22/03/2040
शनि	25/04/2040
बुध	25/05/2040
केतु	06/06/2040
शुक्र	12/07/2040
सूर्य	22/07/2040
चंद्र	09/08/2040

चंद्र - राहु	
09/08/2040	
08/02/2042	
राहु	30/10/2040
गुरु	11/01/2041
शनि	08/04/2041
बुध	25/06/2041
केतु	27/07/2041
शुक्र	26/10/2041
सूर्य	22/11/2041
चंद्र	07/01/2042
मंगल	08/02/2042

चंद्र - गुरु	
08/02/2042	
10/06/2043	
गुरु	14/04/2042
शनि	30/06/2042
बुध	07/09/2042
केतु	05/10/2042
शुक्र	26/12/2042
सूर्य	19/01/2043
चंद्र	01/03/2043
मंगल	29/03/2043
राहु	10/06/2043

चंद्र - शनि	
10/06/2043	
08/01/2045	
शनि	10/09/2043
बुध	30/11/2043
केतु	03/01/2044
शुक्र	09/04/2044
सूर्य	08/05/2044
चंद्र	25/06/2044
मंगल	28/07/2044
राहु	23/10/2044
गुरु	08/01/2045

चंद्र - बुध	
08/01/2045	
10/06/2046	
बुध	23/03/2045
केतु	22/04/2045
शुक्र	17/07/2045
सूर्य	12/08/2045
चंद्र	24/09/2045
मंगल	24/10/2045
राहु	10/01/2046
गुरु	20/03/2046
शनि	10/06/2046

चंद्र - केतु	
10/06/2046	
09/01/2047	
केतु	22/06/2046
शुक्र	28/07/2046
सूर्य	07/08/2046
चंद्र	25/08/2046
मंगल	07/09/2046
राहु	08/10/2046
गुरु	06/11/2046
शनि	10/12/2046
बुध	09/01/2047

चंद्र - शुक्र	
09/01/2047	
09/09/2048	
शुक्र	20/04/2047
सूर्य	21/05/2047
चंद्र	10/07/2047
मंगल	15/08/2047
राहु	14/11/2047
गुरु	03/02/2048
शनि	10/05/2048
बुध	04/08/2048
केतु	09/09/2048

चंद्र - सूर्य	
09/09/2048	
10/03/2049	
सूर्य	18/09/2048
चंद्र	03/10/2048
मंगल	14/10/2048
राहु	10/11/2048
गुरु	04/12/2048
शनि	02/01/2049
बुध	28/01/2049
केतु	08/02/2049
शुक्र	10/03/2049

मंगल - मंगल	
10/03/2049	
06/08/2049	
मंगल	19/03/2049
राहु	10/04/2049
गुरु	30/04/2049
शनि	24/05/2049
बुध	14/06/2049
केतु	23/06/2049
शुक्र	17/07/2049
सूर्य	25/07/2049
चंद्र	06/08/2049

मंगल - राहु	
06/08/2049	
25/08/2050	
राहु	03/10/2049
गुरु	23/11/2049
शनि	23/01/2050
बुध	18/03/2050
केतु	09/04/2050
शुक्र	12/06/2050
सूर्य	02/07/2050
चंद्र	02/08/2050
मंगल	25/08/2050

मंगल - गुरु	
25/08/2050	
01/08/2051	
गुरु	09/10/2050
शनि	02/12/2050
बुध	20/01/2051
केतु	08/02/2051
शुक्र	06/04/2051
सूर्य	23/04/2051
चंद्र	22/05/2051
मंगल	11/06/2051
राहु	01/08/2051

मंगल - शनि	
01/08/2051	
09/09/2052	
शनि	04/10/2051
बुध	30/11/2051
केतु	24/12/2051
शुक्र	29/02/2052
सूर्य	21/03/2052
चंद्र	23/04/2052
मंगल	17/05/2052
राहु	17/07/2052
गुरु	09/09/2052

मंगल - बुध	
09/09/2052	
06/09/2053	
बुध	30/10/2052
केतु	20/11/2052
शुक्र	19/01/2053
सूर्य	06/02/2053
चंद्र	09/03/2053
मंगल	30/03/2053
राहु	23/05/2053
गुरु	10/07/2053
शनि	06/09/2053

मंगल - केतु	
06/09/2053	
02/02/2054	
केतु	14/09/2053
शुक्र	09/10/2053
सूर्य	17/10/2053
चंद्र	29/10/2053
मंगल	07/11/2053
राहु	29/11/2053
गुरु	19/12/2053
शनि	12/01/2054
बुध	02/02/2054